8. 'मुद्राराक्षसम्' नाटकानुसार किन्हीं **दो** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :

(अ) अत्यादरः शङ्कनीयः।

(ब) भव्यं रक्षति भवितव्यता।

(स) न निष्प्रयोजनमधिकारवन्तः प्रभुभिराहूयन्ते।

(द) अयमपरो गण्डस्योपरि स्फोटः।

9. मृच्छकटिकम् नाटकानुसार किन्हीं **दो** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :

(अ) भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति।

(ब) न युक्तं परकलत्रदर्शनम्।

(स) साहसे श्रीः प्रतिवसति।

(द) मूले छिन्ने कुतः पादपस्य पालनम्।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'मेघे माघे गतं वयः' मेघदूतम् के आधार पर इस पंक्ति की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

11. गीतिकाव्य किसे कहते हैं ? गीतिकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12. मृच्छकटिकम् नाटक के आधार पर चारुदत्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

13. "मुद्राराक्षसम् नाटक एक सफल राजनैतिक नाटक है" इसके अनुसार मुद्राराक्षसम् नाटक की समीक्षा कीजिए।

MASA–02

June – Examination 2024

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(ललित साहित्य एवं नाटक)

Paper : MASA-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) कालिदास किस रीति के प्रसिद्ध कवि हैं ?

(ii) मेघदूत किस विधा का काव्य है ?

(iii) रूपक की परिभाषा लिखिए।

(iv) मुद्राराक्षस नाटक के नायक का नाम लिखिए।

(v) मुद्राराक्षस नाटक में कितने अंक हैं ?

(vi) 'मृच्छकटिकम्' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

(vii) शृंगार रस के स्थायी भाव का नाम लिखिए।

(viii) याज्ञवल्क्य स्मृति में पुत्रों के कितने प्रकार बताए गए हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक का संदर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए :

(अ) धूमज्योतिर्सलिलमरुतां सन्निपातः क्व मेघः,
सन्देशार्थाः क्व पटुकरणैः प्राणिभिः प्रापणीयाः।
इत्यौत्सुक्यादपरिगणयन् गुह्यकस्तं ययाचे,
कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाऽचेतनेषु॥

अथवा

(ब) विद्युत्वन्तं ललितवनिताः सेन्द्रचापं सचित्राः,
संगीताय प्रहतमुरजाः स्निग्धगम्भीरघोषम्।
अन्तस्तोयं मणिमयभुवस्तुङ्गमभ्रंलिहाग्राः,
प्रासादास्त्वां तुलयितुमलं यत्र तैस्तैर्विशेषैः॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) सुखं हि दुःखान्यनुभूय शोभते
घनान्धकारेष्विव दीपदर्शनम्।
सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रतां
धृतः शरीरेण मृतः स जीवति॥

अथवा

(ब) यः कश्चित्त्वरितगतिर्निरीक्षते मां
संभ्रान्तं द्रुतमुपसर्पति स्थितं वा।
तं सर्वे तुलयति दूषितोऽन्तरात्मा
स्वदोषैर्भवति हि शङ्कितो मनुष्यः॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) समुत्खाता नन्दा नवहृदयरोगा इव भुवः
कृता मौर्यो लक्ष्मीः सरसि नलिनीव स्थिरपदा।
द्वयोः सारं तुल्यं द्वितयमभियुक्तेन मनसा
फलं कोप-प्रीत्योर्द्धिषति च विभक्तं सुहृदि च॥

अथवा

(ब) मम विमृशतः कार्यारम्भे विधेरविधेयताम्
अपि च कुटिलां कौटिल्यस्य प्रचिन्तयतो मतिम्।
अपि च विहिते मत्कृत्यानां निकाममुपग्रहे
कथमिदमिहेत्युन्निद्रस्य प्रत्यायनिशं निशा॥

5. 'मेघदूतम्' के अनुसार मेघ-मार्ग का वर्णन कीजिए।

6. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक के आधार पर चाणक्य का चरित्र चित्रण कीजिए।

7. 'मृच्छकटिकम्' प्रकरण के आधार पर वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण कीजिए।